बावरै बीज
विशाखा चंचानी

विशाखा चंचानी

चित्र ऐंजलीन एवं उपेश प्रधान

आए हैं बीजू भैया,

बावरे बीजू।

लाए हैं बीज, भैया,

बावरे बीज।

बीजू के बीज, चमत्कार चीज़ ।

कादिर मियाँ, दिस वे प्लीज़ ।

रंग, ढंग, आकार, कुछ इस प्रकारः

फ़ौरन फैले फ़िरंगी

साधु स्वदेशी

अनोखी एक आँख

बेताब बेशरम

लज्जित लजालू

पल भर पटाखा धम धड़ाका

पंखी पैराशूट

चिप चिपे चिप्पट

बावरे बीज

आईए, बीज ले जाईए
बोरी भर
गठरी भर
झोली भर
पाकिट भर
मुट्ठी भर

बावरे बीजू के बीज लीजिए,

बीज बोना शुरु कीजिए।

गाँव में, शहर में,
किराए के घर में,
दीवारों की दरारों में,
कबाड़ी मोटर कारों में,
छोटे लोटे में,
पीले पतीले में,

ऊनी साड़ी में,

कुंभकरण की दाढ़ी में।

किसी भी हालात में,

ज़मीन या सूखे तालाब में,

बीज बोना शुरू कीजिए,

यह बावरे बीज लीजिए।

माफ़ कीजिए !

न रुपैया

न अठन्नी

न चवन्नी

एक फूटी कौड़ी तक नहीं !

बीजू के बीज

वाह, क्या चीज़ !

एकदम "फ्री" जी

"नो फीज़" !

घास फूस,

सड़े आम का जूस,

कोयलों का चिवड़ा,

बिना स्वाद छिलकों का सलाद,

चाय पत्ती, इत्यादि . . .
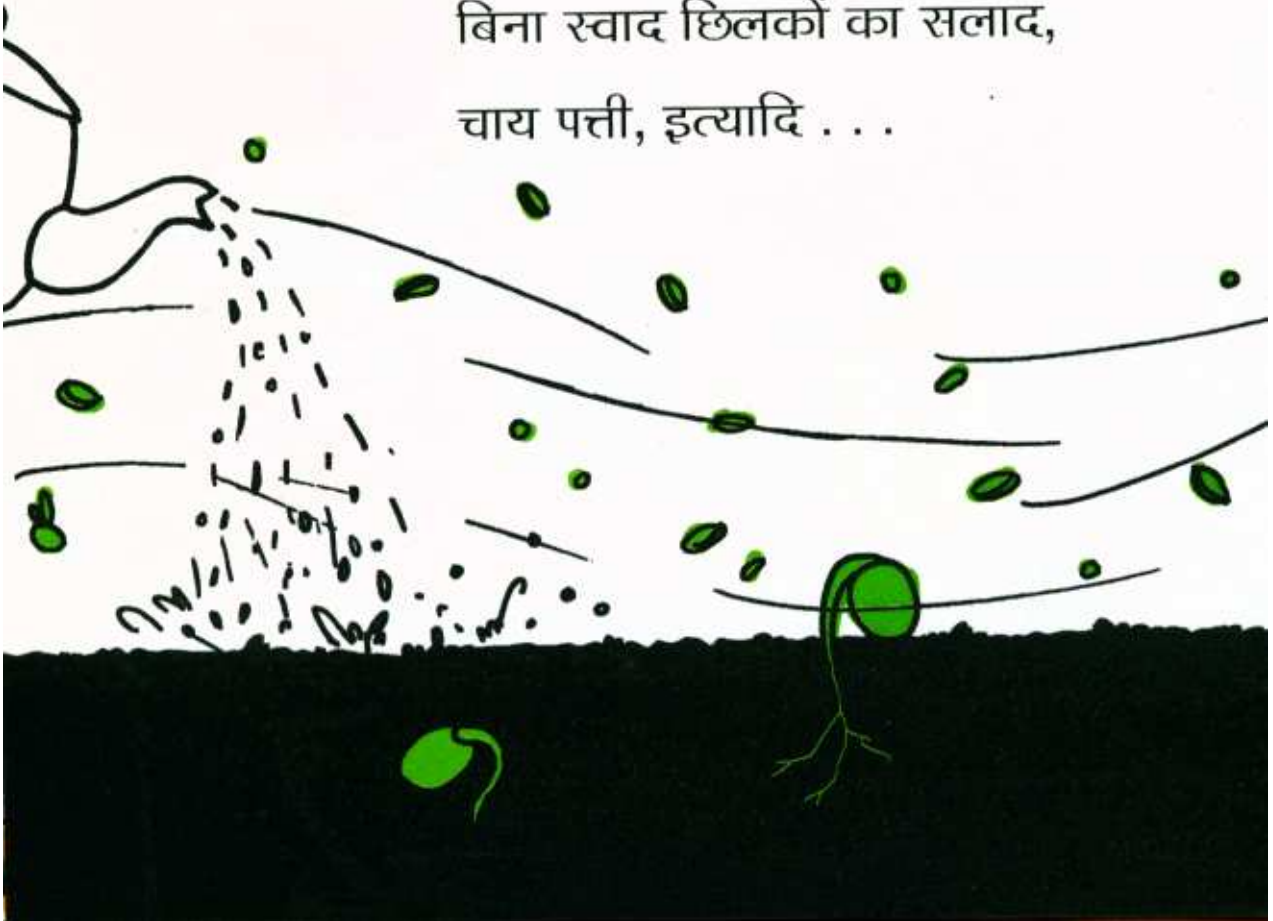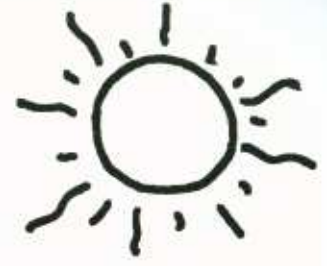
कुछ धूप, छाँव,
पहली बारिश, ताज़ी हवा,
और हाँ,
एक कमंडल पानी न भूलना !

एक विशेष सूचना

सावधान!
अप्राकृतिक पदार्थों से दूरी
खास ज़रूरी
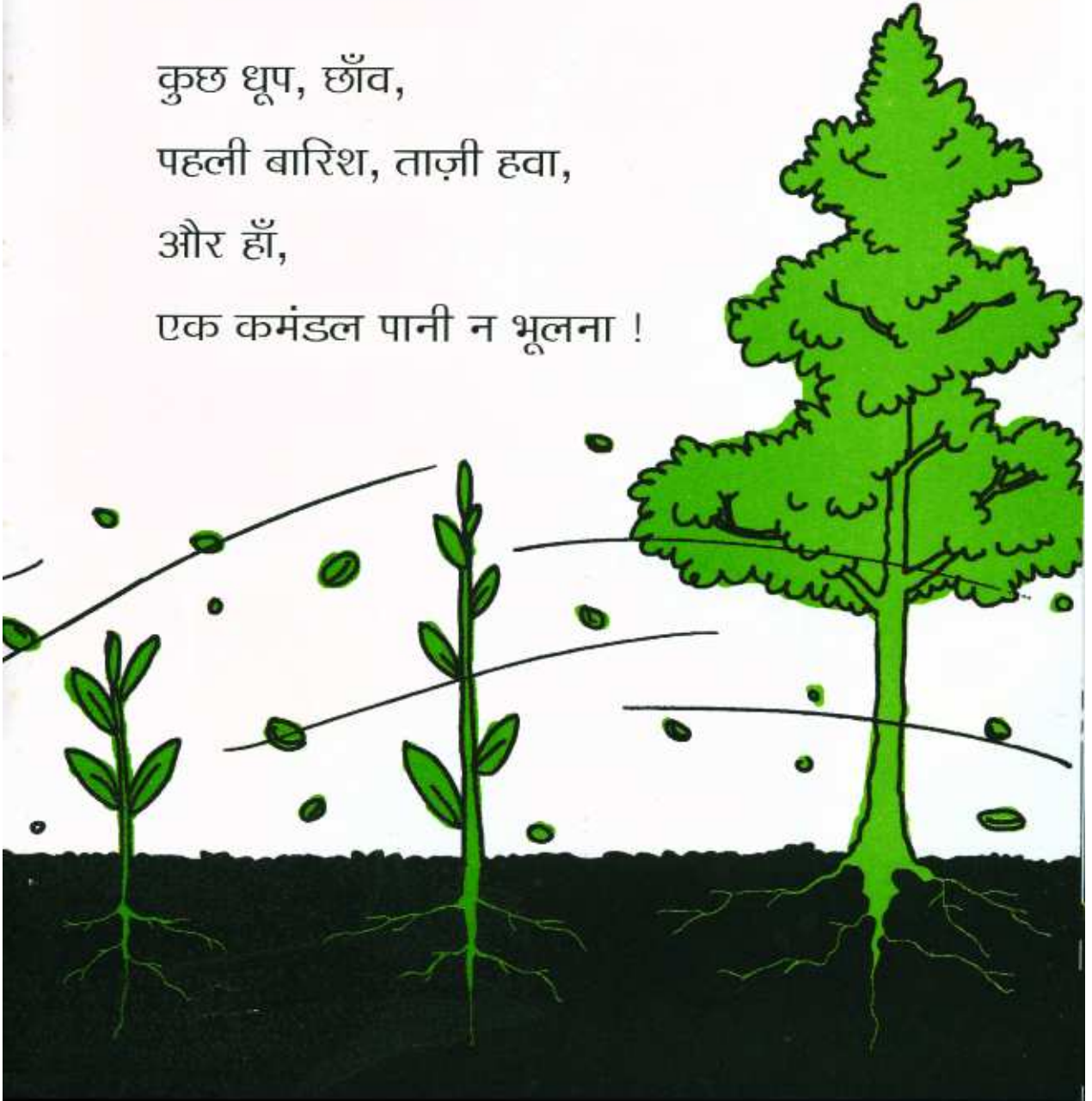
कहते हैं

दूर पहाड़ियों से,

घनी झाड़ियों से,

झरनों, नदी नालों से,

बहते यह बीज आए हैं।

चिड़ियों के घोंसलों से,

मूषकों के मौसों से,

पत्थर के पोलों से,

उड़ते फिरते हवाओं में

बरसते, बीजू ने पाए हैं।

बीज बोइए!
खुश होइए!

कुछ ही क्षणों में,

मिंटों में,

घंटों में,

दिनों में,

महीनों में,

सालों में,

रातों रात !

बातों बात !

चुपचाप, खर्राटे लेते,
धक्कम धक्की करते,
गहरी साँस भरते,

बीज के निकल आएँगे पर,

आसमान से बातें कर,

हवा के साथ डोलेंगे,

आप के साथ बोलेंगे,

लंबी चौड़ी कहानी सुनाएँगे . . .

करामती केंचुओं की,
कलकत्ती कौओं की,
झरझरपूर के झींगरों के झरझर की,
बड़बड़पूर के बंदरों के बड़बड़ की,

फूल की,
पत्ते की,
डाली की,
जड़ की, धड़कते धड़ की . . .

सुनिए और देखते जाइए!

बावरे बीज की बावरी कहानी,

हवा में कलैया करेगी,

मौसम के साथ अपना रवैया बदलेगी।

बीज "फ्री",
कहानी भी!
एकदम "नैचरल", ले जाइए जी!

बावरे यह बीज चमत्कार चीज़ !!

सुमी दी, दिस वे प्लीज़!

Other picture books in Hindi

देखो चांद!
मुझे सोना है
रंगपसंद लड़का
ईचा पूचा
एक्की दोक्की
कोलबा
मालू भालू
सुनुसुनु घोंघा

Bawre Beej (Hindi)
ISBN 81-8146-053-7

First published in India, 2004

Published by
Tulika Publishers
13 Prithvi Avenue, Abhiramapuram, Chennai 600018, India
email kaka@tulikabooks.com & tulikabooks@vsnl.com
website www.tulikabooks.com
and
Navdanya
A-60, Hauz Khas, New Delhi 110016, India
email vshiva@vsnl.com & rfste@vsnl.com
website www.vshiva.net & www.navdanya.org & www.bijavidyapeeth.org

Printed and bound at
the ind-com press, 393 Velachery Main Road, Vijaynagar, Velachery, Chennai 600042, India

Distributed by
Goodbooks Marketing Pvt. Ltd, 39 Fourth Street, Abhiramapuram, Chennai 600018, India
website www.goodbooksindia.com

काँटेदार काले, अलबेले उड़नखटोले, लज्जित लजालू या पंखी पैरशूट . . . बीजू भैया के बीज हैं कितने अनोखे! यह मज़ेदार, मनमोहक, बावरी चित्र-पुस्तक बच्चों को बीज, पौधों और धरती के गहरे रिश्ते से परिचय कराती है।

विशाखा चंचानी चित्रकार व लेखिका हैं। वे हिंदी और अंग्रेज़ी में लिखती हैं। अन्होंने कई सारी बच्चों की किताबों का चित्रण किया है।

इस पुस्तक को ऐंजलीन और उपेश प्रधान ने चित्रित किया है। ऐंजलीन ग्रैफ़िक डिज़ाइनर भी हैं और उपेश ऐनिमेशन करते हैं।

NAVDANYA

Tulika

ISBN 81-8146-053-7
Rs 50 only
Hindi / For ages 5+